डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

जुलाई 2025 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 8, अंक 01

विश्वविद्यालय द्वारा 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 का आयोजन (विस्तृत समाचार पृष्ठ - 20 पर)

इस अंक में ....

- स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम संबंधित प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ
- गर्भोपक्रम-2025 राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
- आयुर्वेद विवि में 69 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान
- सीएचआरडी द्वारा कंटिन्यूइंग कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (सीसीबीपी-25) का आयोजन
- फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन
- योगा अनप्लग्ड कार्यक्रम का आयोजन एवं सीसीआरवाईएन नई दिल्ली व विश्वविद्यालय में एमओयू
- कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल व डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने इंग्लैण्ड में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में की सहभागिता एवं एसोसिएशन आयुर्वेद एकेडमी यूके व विश्वविद्यालय में एमओयू

RAJBIL/2017/74087

कुलगुरू सन्देश ....

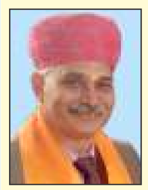

योग भारतीय जीवन दर्शन है। मन के सम्यक नियंत्रण एवं निरोध से मनुष्य में ऊर्जा का संचय होता है तथा मन की एकाग्रता कार्य में अपूर्व कुशलता का संयोजन करती है । 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य आयोजन के सहभागी रहे मेरे विश्वविद्यालय परिवार के कर्मयोगियों ने अपने कार्यों द्वारा विश्वविद्यालय की पताका चतुर्दिक् फहराई है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत संस्कार द्वारा गंगानगर में आयोजित अस्मिता योगसन सिटी लीग में विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्रसूतितंत्र एवं स्त्रीरोग विभाग की शोध अध्येत्री डॉ. कृष्णा ने कांस्य पदक हासिल कर आगामी अस्मिता योगासन प्रतियोगिता हेतु अपनी प्रतिभागिता बरकरार रखने पर उनको को हार्दिक बधाई देता हूं। हमारे शिक्षक पर्यावरण संरक्षण हेतु सदा उत्साही रहते हैं, इसलिए चाहे वह राष्ट्रीय पर्व हो या धार्मिक या अन्य कोई अवसर हम सभी मिलजुल कर वृक्षारोपण करते हैं एवं औषधीय पादपों का वितरण भी करते हैं। हमारी मेहनत भी रंग भी ला रही है। न केवल विश्वविद्यालय परिसर अपितु राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी वृक्षारोपण से हरियाली लहलहाने लगी है, इसके लिए विश्वविद्यालय का द्रव्यगुणविभाग साधुवाद का पात्र है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी श्री नरेंद्र मोदी जी प्रायः स्वावलंबी जीवन की चर्चा करते हैं । इसी अनुक्रम में लक्ष्य पर्यावरण एवं जनकल्याण संस्था एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में 15 माह के हाइब्रिड मोड पर आधारित स्वावलंबी चिकित्सा पाठ्यक्रम का विश्वविद्यालय में शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा सेमी ऑनलाइन पीजी सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षारसूत्र थेरेपी निरंतर संचालित है और इस प्रशिक्षण में लाभान्वित अभ्यर्थी कुशलतापूर्वक मानवसेवा में तत्पर है। पीजी रसशास्त्र विभाग द्वारा एचपीटीएलसी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मैं विश्वविद्यालय के मानव संसाधन केंद्र का भी विशेष उल्लेख करना चाहूंगा कि वह विगत दो वर्षों से लगातार छात्रों एवं अध्यापकों हेतु उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण व्याख्यानों का ऑफलाइन एवं ऑनलाइन मोड पर सतत आयोजन कर रहा है जिससे हमारे विश्वविद्यालय का बौद्धिक स्तर उत्तरोत्तर समुन्नत हो रहा है। ग्रीष्मावकाश में इस केन्द्र द्वारा शिक्षकों व छात्रों हेतु ट्रॉमा वर्कशाप के अन्तर्गत फर्स्ट एड एवं ट्रॉमा केयर प्रशिक्षण, फैकल्टी डवलपमेन्ट प्रमाणपत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, संस्कृत संभाषण प्रमाणपत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, शिक्षण तकनीकी प्रशिक्षण आदि विविध कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त इस केन्द्र के प्रारम्भ एक नवाचार रंगायन के अन्तर्गत शिक्षकों एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु एक्स्ट्रा करिकुलर गतिविधियों यथा स्लो साईक्लिंग, आशुभाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्टार्टअप सेल के द्वारा विद्यार्थियों के लिए उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी इकाई एवं छात्र सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में शिक्षकों एवं छात्रों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय द्वारा जोधपुर के आसपास के विभिन्न ग्रामों और संस्थाओं में आयोजित किये जा रहे में निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों से न केवल ग्रामीण अपितु शहरी जीवन में रहने वाले लोग आयुष चिकित्सा सेवाओं से लाभान्वित हो रहे है।

इस प्रकार विश्वविद्यालय अपनी पूरी क्षमता के साथ आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विकास एवं प्रचार के साथ जनसामान्य को जागरुक करने में सन्नद्ध है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरे विश्वविद्यालय के कर्मयोगी शिक्षक, छात्र, अधिकारी एवं कर्मचारी चरैवेति चरैवेति इस सिद्धांत का अनुसरण कर इस विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान दे पाने में सफल होंगे।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलगुरू

ट्रेडिशनल योगासन में डॉ. कृष्णा ने जीता कांस्य पदक

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अस्मिता योगासन सिटी लीग का आयोजन श्री गंगानगर में दिनांक 1 अप्रैल 2025 को किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की पीजी अध्येता डॉ. कृष्णा शर्मा ने प्रतिभागी के रूप में भाग लिया। विभागाध्यक्ष प्रो. ए नीलिमा ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन ट्रेडिशनल योगासन एवं आर्टिस्टिक सिंगल योगासन 12–18 वर्ष एवं 18–55 वर्ष इन दो ग्रुप में हुआ। ट्रेडिशनल योगासन सीनियर ग्रुप में डॉ. कृष्णा शर्मा ने कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही डॉ. कृष्णा का चयन आगामी अस्मिता योगासन वेस्ट जोन के लिए भी हुआ है।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में नवरात्र के पावन अवसर पर वृक्षारोपण किया गया

विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी योग साइंसेज में नवरात्र के पावन अवसर पर दिनांक 2 अप्रैल 2025 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति सहित संकाय सदस्यों ने महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर करंज, महानिम्ब, अरलू, आदि के 31 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर डॉ. चंदन सिंह, डॉ. नरेंद्र राजपुरोहित, डॉ. राजेंद्र पूर्विया, डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, डॉ. निकिता पंवार, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. धन्या ऊषा मधुकर, डॉ. मार्कण्डेय बारहठ, डॉ. अजीत सिंह चारण एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम संबंधित प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामय उपस्थिति में स्वस्थ जीवन के लिए स्वावलंबी चिकित्सा के आधारभूत पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण का विश्वविद्यालय एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जनकल्याण संस्था के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर विमोचन कर दिनांक 4 अप्रैल 2025 को शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ. चंद्रभान

RAJBIL/2017/74087

शर्मा द्वारा कुलपति सहित उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया गया। डॉ. शर्मा द्वारा पाठ्यक्रम की स्वास्थ्य संरक्षण में उपयोगिता एवं प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। 6 माह के इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन ऑनलाइन तथा ऑफलाइन माध्यम से प्रारंभ के 15 दिवस एवं अन्तिम 15 दिवस में विश्वविद्यालय एवं गो संवर्धन आश्रम मोकलावास में सचिव राकेश निहाल जी के सानिध्य में प्रायोगिक कर्माभ्यास करवाया जाएगा जिसमें स्वर्गीय डॉ. चंचलमल जी चोरड़िया के अनुभवों पर आधारित परंपरागत चिकित्सा विधाओं का अभ्यास करवाया जाएगा। कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि **सर्वे संतु निरामयाः** की संकल्पना को साकार करने हेतु एवं आमजन को पारंपरिक चिकित्सा विधाओं का अभ्यास करवाये जाने से स्वयं एवं समाज की चिकित्सा के लिए यह पाठ्यक्रम उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर प्राचार्य पीजीआईए प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, उप कुलसचिव डॉ मनोज कुमार अदलखा, डॉ. विजयपाल त्यागी, सचिव लक्ष्य पर्यावरण एवं जनकल्याण संस्थान श्री राकेश निहाल, श्री सतीश ठाकुर, डॉ. अजीत सिंह चारण एवं छात्र छात्राएं, उपस्थित रहे।

सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षार सूत्र थैरेपी के प्रशिक्षणार्थियों को दिए प्रमाण पत्र

दिनांक 5 अप्रैल 2025 को स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग के द्वारा संचालित सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षार सूत्र थैरेपी के जनवरी 2025 के चतुर्थ और अंतिम ऑफलाइन सत्र में देश के विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. प्रजापति एवं शल्य तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार गुप्ता के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गये। इस कोर्स के लिए देश भर के कुल 51 अभ्यर्थियों का चयन किया गया एवं चयनित अभ्यर्थियों की ऑनलाइन कक्षाएं समाप्त होने के पश्चात् आफलाइन प्रैक्टीकल ट्रेनिंग दी गई। देश के विभिन्न राज्यों से आए अभ्यर्थियों ने विश्वविद्यालय का आभार जताया। इस अवसर पर शल्य तंत्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. राजीव सोनी उपस्थित रहे। शल्य तंत्र विभाग के डॉ. अंकित, डॉ. सौरभ, डॉ. गौरव सहित सभी स्नात्तकोत्तर अध्येताओं ने मंच संचालन कर कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान किया।

पुलिस विश्वविद्यालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

.संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक–चिकित्सकों की टीम ने दिनांक 6 अप्रैल 2025 को सरदार पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ पुलिस सिक्योरिटी एवं क्रिमिनल जस्टिस, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया। इसमें विशेषज्ञ डॉ. वृषाली बारब्दे व डॉ. नरेन पटवा ने अपनी निःशुल्क सेवाएँ देते हुए गर्मी से होने वाले रोगों जैसे लू (हीट स्ट्रोक), डिहाइड्रेशन, फूड पॉइजनिंग, खाँसी, जुखाम, बुखार, गले एवं कान में दर्द, अस्थि रोग, नेत्र रोग (आई फ्लू) जैसे अन्य रोगों की जानकारी एवं दवाईयां देकर लाभान्वित किया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में 7 अप्रैल 2025 को जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम **स्वस्थ शुरुआत आशापूर्ण भविष्य** को केंद्र में रखते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करना एवं आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सा पद्धति के माध्यम से सम्पूर्ण आरोग्य की अवधारणा को विस्तार देना रहा। कार्यक्रम पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में विभाग के सहायक आचार्य डॉ अचलाराम कुमावत एवं डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित की उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्नातकोत्तर अध्येताओं डॉ. धीरज एवं डॉ. अंजलि ने स्वास्थ्य की आयुर्वेदीय परिभाषा, दिनचर्या, ऋतुचर्या, पंचकर्म एवं रसायन चिकित्सा जैसे विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद में **स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्** का सिद्धांत न केवल निवारक दृष्टिकोण प्रदान करता है, बल्कि सम्पूर्ण स्वास्थ्य का मार्ग भी सुझाता है। डॉ. अचलाराम कुमावत एवं डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित ने अपने संबोधन में कहा कि पंचकर्म जैसे स्वेदन, अभ्यंग, बस्ति, विरेचन, नस्य आदि केवल उपचारात्मक ही नहीं, बल्कि रोगों की पूर्व रोकथाम में भी प्रभावी हैं। उन्होंने बलवर्धक औषधियों जैसे च्यवनप्राश, अश्वगंधा, शतावरी, और गुडूची का उल्लेख करते हुए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर योग एवं प्राणायाम के बारे में रोगियों को बताया गया एवं स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन भी हुआ, जिससे प्रतिभागियों को गहन विषय–वस्तु पर विचार–विमर्श का अवसर मिला। इस अवसर पर स्नातकोत्तर अध्येता, रोगी उपस्थित रहे।

योग–नेचुरोपैथी के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज के सत्र 2021 एवं 2022 के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र–छात्राओं ने दिनांक 9 अप्रैल 2025 से शैक्षणिक भ्रमण हेतु दस दिवसीय पात्रा पर पुणे एवं महाराष्ट्र के विभिन्न निसर्गोपचार केंद्रों का शैक्षणिक भ्रमण किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने इस अवसर पर छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए दल को रवाना किया। उन्होंने बताया कि इस भ्रमण से छात्रों ने प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव एवं गहन ज्ञान प्राप्त किया। भ्रमण के दौरान छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे कैवल्यधाम, लोनावला उरुली कांचन सहित विभिन्न निसर्गोपचार आश्रमों का दौरा किया। शैक्षणिक भ्रमण के समन्वयक के रूप में असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. पूजा शर्मा एवं डॉ. अजीत सिंह चारण को नियुक्त किया गया। इस भ्रमण से छात्रों के ज्ञानवर्धन के साथ–साथ उनके व्यावसायिक विकास में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला।

डॉ. पंकज गडिया का कॉग्निटिव बिहेवियरल थैरेपी पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर अगद तंत्र विभाग द्वारा दिनांक 9 अप्रैल 2025 को कॉग्निटिव बिहेवियरल थैरेपी (सीबीटी) विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित प्रख्यात मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार गडिया ने कॉग्निटिव बिहेवियरल थैरेपी के सिद्धांतों, तकनीकों एवं इसके व्यवहारिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हमारी सोच और व्यवहार कैसे परस्पर जुड़े होते हैं और नकारात्मक विचार किस प्रकार मानसिक रोगों को जन्म देते हैं। सीबीटी के माध्यम से इन समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक और व्यावहारिक तरीके से किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. चंदन सिंह, प्रो. रितु कपूर, प्रो. हरीश कुमार सिंघल, डॉ. अनिता राजपुरोहित सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रो. (डॉ.) ऋतु कपूर द्वारा डॉ. गडिया को स्मृति चिह्न भेंट कर आभार प्रकट करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्याख्यान छात्रों को समग्र स्वास्थ्य की ओर देखने का दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा ने पूर्व कुलपति प्रो. (वैद्य) बनवारी लाल गौड़ को किया सम्मानित

अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन द्वारा जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय आरोग्य मेला के उद्घाटन के अवसर पर दिनांक 14 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के सभागार में राजस्थान सरकार के माननीय उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति, ख्यातिप्राप्त आयुर्वेदज्ञ महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित प्रो. बनवारीलाल गौड को अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के द्वारा प्रदत्त आयुर्वेद–भूषण उपाधि से सम्मानित किया। इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा में विधायक माननीय श्री बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज एवं भारत सरकार के आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा, अध्यक्ष बोर्ड ऑफ एथिक्स, एनसीआईएसएम के प्रो. राकेश शर्मा, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा आदि उपस्थित रहे। एक माह के अंतराल में ही प्रो. गौड को यह दूसरा राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। इससे पहले 17 मार्च 2025 को विज्ञान भवन दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रो. गौड को राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया था। प्रो. गौड को प्रदत्त सम्मान से राजस्थान प्रदेश के आयुर्वेद से जुड़े शिक्षक, चिकित्सक और शिष्य समुदाय ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की, साथ ही आयुर्वेद के सबसे बड़े संगठन विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने आयुर्वेद महासम्मेलन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

गर्भोपक्रम–2025 राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

विश्वविद्यालय के स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा गर्भोपक्रम–2025 नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ दिनांक 16 अप्रैल 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य गर्भसंस्कार के माध्यम से गर्भस्थ शिशु के शरीर, मन और आत्मा का समग्र पोषण रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार ने कार्यशाला की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गर्भकाल के दौरान किया गया सही संस्कार ही भावी पीढ़ी के चरित्र, बुद्धि और स्वास्थ्य का आधार बनता है। उन्होंने इस हेतु पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय पर बल दिया।

सम्वर्धिनी न्यास नई दिल्ली की माधुरी दीदी ने कहा कि गर्भसंस्कार के माध्यम से गर्भस्थ शिशु के शरीर, मन और आत्मा का समग्र पोषण होता है। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजन अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा रेड्डी के स्वागत भाषण एवं उद्देश्य–विवेचन से हुआ। पहले दिन के

कार्यक्रम में दो ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए गए, जिसमें प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. श्वेता डांगरे एवं डॉ. गौरांग जोशी ने विषय विशेषज्ञ के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। इन सत्रों के उपरांत प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा सहित कार्यशाला में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागी सम्मिलित हुए। आयोजन सचिव के रूप में डॉ. रश्मि शर्मा एवं डॉ. आशा के. पी. की सक्रिय भूमिका रही।

विश्वविद्यालय में मनाया गया वर्ल्ड हीमोफीलिया डे

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में वर्ल्ड हीमोफीलिया डे के अवसर पर दिनांक 17 अप्रैल 2025 को विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हीमोफीलिया जैसे रक्त संबंधी रोगों के प्रति जनजागरण करना और आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से इसके संभावित उपचारों को प्रस्तुत करना रहा। कार्यक्रम में पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा व सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास ने सहभागिता की। वक्ताओं ने हीमोफीलिया के प्रकार (ए व बी), कारणों व लक्षणों (बार–बार रक्तस्राव, जोड़ों में सूजन, रक्त का थक्का न जमना और जटिलताओं) पर विस्तार से प्रकाश डाला। पीजी स्कॉलर डॉ. चंद्रेश तिवारी एवं डॉ. दीपक गुर्जर द्वारा अपनी प्रस्तुति में आयुर्वेद में रक्तदोष, रक्त धातु क्षय, एवं रक्तपित्त जैसे सिद्धांतों को हीमोफीलिया से जोड़ा गया और बताया गया कि कैसे आयुर्वेदिक दृष्टिकोण इस रोग की जड़ों को समझने में सहायक हो सकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद में रसायन चिकित्सा, बल्य औषधियों और रक्तसंधानकारी औषधियों जैसे नागकेशर, लोध्र, मंजिष्ठा, अशोक, आमलकी, शतावरी और यष्ठीमधु का प्रयोग रक्तसाव को नियंत्रित करने एवं धातु बलवर्धन में उपयोगी सिद्ध हो सकता है। डॉ. दिलीप कुमार व्यास ने पंचकर्म चिकित्सा की दृष्टि से भी हीमोफीलिया के प्रबंधन में त्वरित चिकित्सा (धातु पोषण हेतु) और अवपीडन नस्य (दूर्वा स्वरस) जैसी विधियों की संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही, योग और प्राणायाम के माध्यम से रक्तसंचार सुधारने, तनाव कम करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों को भी रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्तविकार जागरुकता सत्र, आयुर्वेदिक औषधियों की प्रदर्शनी, और इंटरेक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों और चिकित्सकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

विश्वविद्यालय व यूरोप आयुर्वेद अकादमी, फ्रांस के बीच आयुर्वेद शिक्षा पाठ्यक्रम संचालन को लेकर हुई चर्चा

विश्वविद्यालय और यूरोप आयुर्वेद अकादमी फ्रांस में हुए एमओयू के अन्तर्गत शिक्षण–प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के क्रम में एक महत्त्वपूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन दिनांक 18 अप्रैल 2025 को किया गया। बैठक में यूरोप में आयुर्वेद शिक्षा के विस्तार की संभावनाओं पर विचार–विमर्श हुआ। वर्चुअल बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, एमओयू के तहत शिक्षण प्रशिक्षण गतिविधियों के समन्वयन के लिए निर्धारित समिति के चेयरमैन और मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, सदस्य डॉ. मनोज अदलखा एवं डॉ. सौरभ अग्रवाल ने भाग लिया। वहीं, यूरोप आयुर्वेद अकादमी की ओर से फ्रांस से डॉ. सुरेश स्वर्णपुरी, यूके से डॉ. वेंकट नारायण जोशी तथा डॉ. रघुनंदन शर्मा ने सहभागिता की। बैठक में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली की ओर से विदेशी संस्थाओं को विश्वविद्यालय के संयोजन में बीएएमएस (बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी) पाठ्यक्रम शुरु करने की संभावनाओं पर गहन चर्चा हुई। दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शैक्षणिक सहयोग, पाठ्यक्रम संरचना, फैकल्टी एक्सचेंज और रिसर्च को बढ़ावा देने पर सकारात्मक विचार साझा किए। यूरोप आयुर्वेद अकादमी, फ्रांस की एक प्रतिष्ठित संस्था है जो आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को यूरोप में प्रोत्साहित करने हेतु समर्पित है। बैठक में भविष्य में आयुर्वेद के वैश्विक विकास के लिए संयुक्त प्रयासों को सुदृढ़ करने का निर्णय किया गया।

स्वावलंबी चिकित्सा का आधारभूत पाठ्यक्रम प्रशिक्षण संपन्न

विश्वविद्यालय द्वारा **सर्वे संतु निरामयाः** की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण एवं जन कल्याण संस्थान के साथ संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय चंचलमल चौरड़िया के पारंपरिक चिकित्सा विधाओं के अनुभवों पर आधारित छह माह के प्रमाणपत्र प्रशिक्षण के अन्तर्गत **स्वस्थ जीवन के लिए स्वावलंबी चिकित्सा के**

आधारभूत पाठ्यक्रम के प्रारम्भिक 15 दिवस का आवासीय प्रशिक्षण गौ संवर्धन आश्रम मोकलावास में श्री राकेश निहाल के सानिध्य में करवाया गया। चार अप्रैल से प्रारंभ हुए इस प्रारम्भिक भाग का दिनांक 19 अप्रैल 2025 को समापन कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री राकेश निहाल द्वारा संपूर्ण प्रशिक्षण का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण के समन्वयक एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज के प्राचार्य वैद्य चन्द्रभान शर्मा ने बताया कि आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिदिन सुबह से शाम तक अलग–अलग सत्रों के माध्यम से योग, पंचगव्य चिकित्सा, सूर्य चिकित्सा, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर, मालिश, नाभि संतुलन, मेरुदंड संतुलन आदि से संबंधित प्रायोगिक अभ्यास हेतु प्रशिक्षकों को आमंत्रित कर अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर डॉ. सतीश ठाकुर, श्रीमती लीलावती निहाल, साध्वी देव रक्षिता एवं सुश्री स्नेहलता चोपड़ा उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की इनोवेशन एवं स्टार्टअप इकाई द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन

विश्वविद्यालय में इनोवेशन एवं स्टार्टअप इकाई एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र के संयुक्त संयोजन में दिनांक 21 अप्रैल 2025 को स्टार्टअप चौपाल के सीईओ श्री सुमित श्रीवास्तव का **नवाचार एवं उद्यमिता में करियर** पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान के द्वारा नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में बेहतर भविष्य तथा नवीन तकनीकी विकास के साथ भावी मेडिकल छात्रों हेतु करिअर के अवसरों पर विस्तृत चर्चा की गई। श्री सुमित ने आयुर्वेद एवं योग का सन्दर्भ देते हुए कहा कि वर्तमान में हेल्थ सेक्टर एक मात्र ऐसा सेक्टर है, जहां नये स्टार्टअप विकसित होने की अपार सम्भावनाएं हैं। इस व्याख्यान के दौरान बिजनेस मॉडल की तकनीकी बारीकियों और स्टार्टअप की पूर्व संकल्पना पर अनुसंधान की जरूरत पर विचार विमर्श हुआ। इकाई की सचिव डॉ. यशस्वी शाकद्वीपीय ने विश्वविद्यालय की इनोवेशन इकाई के प्रगति प्रतिवेदन के साथ नवाचार विषय पर विचार रखे। सीएचआरडी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने भी भविष्य में विभिन्न करिअर सम्बन्धित अवसरों पर विचार प्रस्तुत किए। प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा एवं उप–प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने बताया कि वर्तमान में आयुर्वेद एवं योग इंडस्ट्री मार्केट में अपार संभावनाएं है। इस गतिविधि में लगभग 250 विद्यार्थियों को जानकारी दी गयी। ईकाई चेयरमैन डॉ. हरीश सिंघल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ईकाई द्वारा भावी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। व्याख्यान का समन्वयन डॉ. हेमन्त राजपुरोहित तथा संचालन डॉ. खुशबू कुमावत के द्वारा किया गया।

आयुर्वेद विवि में 69 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

संजीवनी होम्योपैथिक चिकित्सालय में विश्वविद्यालय की इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में व्यास मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के सहयोग से दिनांक 22 अप्रैल 2025 को एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा सहित कुल 69 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर समाज सेवा की अनुकरणीय मिसाल पेश की। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, रेड क्रॉस सोसायटी इकाई के समन्वयक डॉ. राकेश शर्मा एवं सह–समन्वयक डॉ. मनोज अदलक्खा, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया, सह–समन्वयक डॉ. निकिता पंवार तथा मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा उपस्थित रहे। अंत में प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने सभी रक्तदाताओं व आयोजकों को सक्रिय भागीदारी हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर दिनांक 22 अप्रैल 2025 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पंचकर्म उपयोगी औषधीय पादपों के संरक्षण और उनके पंचकर्म प्रक्रियाओं में महत्त्व व पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, प्रदूषण में कमी लाना, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना, रीसाइकलिंग को प्रोत्साहित करना तथा पेड़–पौधे लगाकर धरती को हरा–भरा बनाना था। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित तथा समस्त स्नातकोत्तर अध्येताओं ने सक्रिय रूपेण भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने जन्मदिवस के अवसर पर विभाग में एक पंचकर्म उपयोगी औषधीय पौधे का रोपण करेंगे और उसका संरक्षण भी करेंगे। इस तरह के प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देंगे बल्कि पंचकर्म चिकित्सा के लिए आवश्यक औषधीय पादपों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करेंगे।

राजस्थान विधानसभा में मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

राजस्थान सरकार में विधानसभा के मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग ने दिनांक 22 अप्रैल 2025 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति से विश्वविद्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर और आयुर्वेद संजीवनी चिकित्सालय का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। गर्ग ने विश्वविद्यालय परिसर में शीशम, कांचनार जैसे औषधीय पौधों का रोपण भी किया। इसके पश्चात् उन्होंने विश्वविद्यालय चिकित्सालय में क्रिया शारीर विभाग की स्क्रीनिंग ओपीडी में नाडी तरंगिणी सॉफ्टवेयर द्वारा नाड़ी परीक्षण करवाया। उन्होंने डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा से चिकित्सा परामर्श प्राप्त किया और नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय पंचकर्म चिकित्सा केंद्र का निरीक्षण भी किया। कुलपति ने उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों की जानकारी दी। गर्ग ने भी विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कुलपति द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, प्रो. चंदन सिंह, उपाधीक्षक डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा सहित अनेक संकाय सदस्य, नर्सिंग कर्मी, कर्मचारी, छात्र भी उपस्थित रहे।

केलावा कलां में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 23 अप्रैल 2025 को गोदग्राम केलावा कलां में एक विशेष बाल एवं महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉसिबिलिटी (यूएसआर) के चतुर्थ चरण के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा, व्याख्यान एवं चिकित्सा जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणजनों को लाभान्वित किया गया। कुलसचिव श्री अखिलेश कुमार पिपल ने बताया कि इस कार्यक्रम को इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज स्कीम से जोड़ा गया, जिसके तहत गर्भसंस्कार विषय पर भी ग्रामीण महिलाओं को जागरुक किया गया। संजीवनी चिकित्सालय के अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता एवं उपाधीक्षक डॉ ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि शिविर में विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए कुल 49 रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में महिलाओं को मासिक धर्म संबंधित विकार, श्वेत प्रदर, कष्टार्तव, वंध्यत्व आदि रोगों का आयुर्वेदिक उपचार दिया गया। साथ ही, बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच भी की गई। डॉ. हेमन्त कुमार मेनारिया (नोडल अधिकारी) एवं डॉ. अमित गहलोत (सहायक नोडल अधिकारी) द्वारा महिला एवं बाल स्वास्थ्य विषयक प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

नागार्जुन फार्मेसी में नवीन मशीनों का उद्घाटन

विश्वविद्यालय की नागार्जुन फार्मेसी में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को टैबलेट मेकिंग मशीन, एंड रनर, ड्रायर, हैमर मिल मशीन आदि अत्याधुनिक मशीनों का विधिवत् उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल के निर्देशन में सहजन (शिग्रु) के विविध व्यंजनों की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। प्रदर्शनी में कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति, एन.सी.आई.एस.एम सदस्य प्रो. के. के. द्विवेदी, कुलपति प्रतिनिधि डॉ. ममता प्रजापति, प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, प्रो. नीलिमा रेड्डी, मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश चन्द्र शर्मा, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस अनिल कुमार, डॉ. विजयपाल त्यागी, डॉ. संगीता इन्दोरिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि, स्नातकोत्तर एवं स्नातक अध्येता उपस्थित रहे।

सालवा कलां में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय द्वारां यूनिवर्सिटी सोशल रेस्पॉसिबिलिटी के अंतर्गत गोदग्राम सालवा कलां में दिनांक 26 अप्रैल 2025 को एक दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में गोदग्राम के नोडल अधिकारी डॉ. हेमन्त कुमार मेनारिया एवं सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हेमन्त राजपुरोहित द्वारा ग्रामीणों को रोगों से बचाव व आयुर्वेद की जीवनशैली पर व्याख्यान दिए एवं चिकित्सा सेवाएं प्रदान

की गई। डॉ. दिव्या शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग ने विभिन्न स्त्री रोगों के लिए आयुर्वेदिक परामर्श व औषधियों का वितरण किया। बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्नातकोत्तर अध्येता डॉ पूजा खांडल एवं डॉ जितेन्द्र ने बच्चों के सामान्य रोगों, पोषण एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु उपयोगी जानकारी साझा की। स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. हिमानी, डॉ. रवीना एवं डॉ. सोनाली द्वारा टीबी उन्मूलन पर व्याख्यान दिया गया तथा ग्रामीणों की लेटेंट टीबी हेतु स्क्रीनिंग की गई। शिविर में कुल 54 मरीजों का परामर्श एवं उपचार किया गया।

प्रो. चंदन सिंह बने पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद जोधपुर में दिनांक 27 अप्रैल 2025 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रो. चंदन सिंह को प्राचार्य पद पर मनोनीत करने पर उन्होंने पद पर कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. चंदन सिंह का कार्यकाल तीन वर्ष तक रहेगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, पूर्व प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल एवं पीएचडी डीन रिसर्च प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर सहित विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यभार ग्रहण समारोह में कुलपति प्रो. प्रजापति ने नए प्राचार्य को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रो. चंदन सिंह के नेतृत्व में संस्थान नए आयाम स्थापित करेगा। उनका अनुभव, दूरदृष्टि और कार्य के प्रति समर्पण निश्चित रूप से छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए प्रेरणास्रोत होगा। नवनियुक्त प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संस्थान की गरिमा और गुणवत्ता बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। छात्रों के सर्वांगीण विकास और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाएगा। संकाय सदस्यों के सहयोग से संस्थान को देश के श्रेष्ठ आयुर्वेद शिक्षण संस्थानों में अग्रणी बनाना उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा।

आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग व प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2025 को श्रेयांस त्रिवेदी स्मृति समिति, पाली द्वारा कृष्णा विद्या मंदिर में एक विशेष निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अन्तर्गत स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से रोगियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर में कुल 142 रोगियों को निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। श्रेयांश त्रिवेदी स्मृति संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इस सफल आयोजन में आयुर्वेद विशेज्ञज्ञों डॉ. दिलीप व्यास, डॉ. करण सिंह होम्योपैथी विशेषज्ञों डॉ. राजेश कुमावत, डॉ. नरेन पटवा प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों डॉ. धन्या उषा मधुकर, डॉ. मार्कण्डेय सिंह बारहठ, स्नातकोत्तर अध्येताओं डॉ. निहित माथुर, डॉ. मनीष वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस शिविर से न सिर्फ आमजन को स्वास्थ्य लाभ मिला, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता भी बढ़ी।

व्यक्तित्व विकास शिविर के ब्रोशर का विमोचन

विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा 10 से 13 जून तक उदयपुर में आयोजित होने वाले व्यक्तित्व विकास शिविर के ब्रोशर का विमोचन दिनांक 27 अप्रैल 2025 को विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए व्यक्तित्व निर्माण अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शिविर युवा आयुर्वेद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल तथा आत्मविश्वास का विकास करते हैं, जो भविष्य में समाज के स्वास्थ्य रक्षक के रूप में उनकी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएंगे। विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल अकादमिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह शिविर विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के नए आयाम छूने में मार्गदर्शन करेगा तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में उनकी भूमिका को सशक्त बनाएगा। राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि शिविर में विद्यार्थियों के लिए योग, सौंदर्य प्रसाधन, अग्निकर्म, वनस्पति परिचय, जलौका चिकित्सा, पंचकर्म प्रायोगिक प्रशिक्षण, अनुभूत चिकित्सा, प्रयोगशाला परीक्षण, औषध निर्माण, संहिता पाठ, एक्स–रे ज्ञान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिता

तथा उदयपुर नगर भ्रमण जैसी विविध और रोचक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जो उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होंगी। विमोचन समारोह में एन.सी.आई.एस.एम, नई दिल्ली आयुर्वेद मंडल के सदस्य एवं विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रोफेसर के.के द्विवेदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा, पी.जीआईए प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा सहित अनेक संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिविर में 76 विद्यार्थियों व शिक्षकों को दी होम्योपैथी दवाइयां

विश्वविद्यालय के संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक–चिकित्सकों की टीम द्वारा 27 अप्रैल 2025 को श्री शिवराम नत्थूजी टॉक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पूंजला में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। विशेषज्ञों डॉ. अंकिता आचार्य और डॉ. राकेश कुमार मीना ने अपनी सेवाएं देते हुए शिविर में मौसमी बीमारियों, लू लगना, सिर में दर्द, चक्कर आना, गले एवं नाक से पानी आना, कान में दर्द एवं भूख न लगना, पेट में कीड़े, पेट में दर्द एवं उल्टी दस्त, चर्म रोग, नाक से खून बहना, रक्त की कमी जैसे बीमारियों के 76 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया।

विश्वविद्यालय एवं जीवनरेखा एनालिटिकल सेंटर में एमओयू

दिनांक 3 मई 2025 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की उपस्थिति में जीवन रेखा एनालिटिकल सेंटर, संभाजीनगर, महाराष्ट्र एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के मध्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं शोध सहयोग हेतु एमओयू हुआ। इस अवसर पर जीवन रेखा एनालिटिकल सेंटर के निदेशक व गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एसएस सावरीकर की विशेष उपस्थिति रही। समझौते का उद्देश्य आयुर्वेदिक औषधियों के वैज्ञानिक परीक्षण, प्रमाणीकरण और शोध को आधुनिकतम तकनीकों की सहायता से उच्च गुणवत्ता प्रदान करना है। इस अवसर प्रजापति पर कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार ने बताया कि आयुर्वेद को वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में स्थापित करने साथ के लिए हमें पारंपरिक ज्ञान की आधुनिक परीक्षण विधियों को जोड़ना होगा। जीवन रेखा एनालिटिकल सेंटर जैसे संस्थानों के सहयोग से हमारे विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को गुणवत्ता आधारित परीक्षण एवं विश्लेषण की सुविधा मिलेगी।

यह एमओयू आयुर्वेदिक शोध को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। संस्थान के निदेशक प्रो. एसएस सावरीकर ने कहा कि जीवन रेखा एनालिटिकल सेंटर देश का एक उत्कृष्ट संस्थान है, जहां आयुर्वेदिक औषधियों का परीक्षण अत्याधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से किया जाता है। संस्थान में एक्स–रे डिफ्रेक्शन, एक्स–रे फ्लोरेसेंस, फोरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी जैसे अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, जो औषधियों की संरचना, शुद्धता तथा प्रभाव की वैज्ञानिक जांच में सहायक हैं। कार्यक्रम में डॉ. ममता प्रजापति, डॉ. मुकुंद सबनीस, डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. रवि प्रताप सिंह तथा विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

विश्व एंकाईलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस–डे पर जागरुकता कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में विश्व एंकाईलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस–डे के अवसर पर एक विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोग के लक्षण, कारण, रोकथाम और आयुर्वेद. पंचकर्म चिकित्सा के योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मुख्य प्रस्तुतकर्ता के रूप में पीजी अध्येता डॉ. निहित माथुर एवं डॉ. अंजू सैनी ने एंकाईलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस पर वैज्ञानिक एवं आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से विस्तृत व्याख्यान दिया। डॉ. निहित माथुर ने बताया कि यह रोग एक दीर्घकालिक सूजन संबंधी गठिया विकार है जो रीढ़ की हड्डी एवं श्रोणि पेल्विस के जोड़ को प्रभावित करता है। इसके प्रारंभिक लक्षणों में पीठ का जकड़ाव, दर्द, विशेषकर सुबह के समय अधिक महसूस होते हैं। यदि समय रहते उपचार न किया जाए तो यह रीढ़ की गति को स्थायी रूप से बाधित कर सकता है। डॉ. अंजू सैनी ने आयुर्वेद में इसे आमवात एवं कटिग्रह जैसे विकारों से तुलनात्मक रूप से समझाते हुए बताया कि यह रोग मुख्यतः आम दोष, वात दोष और सन्धियों में सूजन के कारण होता है। उन्होंने रोगियों को विशेष योगासन, प्राणायाम और शुद्ध वातशामक, सुपाच्य आहार अपनाने की सलाह दी।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 164 औषधीय पौधों का किया रोपण

दिनांक 5 मई को द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को हरित बनाने, पर्यावरण संरक्षण व औषधीय पौधों के संवर्धन के उद्देश्य से 164पौधों कारोपण किया गया। इस अभियान के तहत 50करंज, 40सप्तपर्ण, 10शीशम, 5इमली सहित चिरबिल्व, पारिजात, कनेर, एवुल तथा कांचनार जैसे औषधीय महत्त्व के पौधों का रोपण किया गया। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य एवं द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो चंदन सिंह ने बताया कि इस वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य औषधीय पौधों की उपयोगिता के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा परिसर को हरित और समृद्ध बनाना था। इस अवसर परसह–आचार्य डॉ. राजेंद्र पूर्विया, डॉ. मनोज अदलखा तथा सहायक आचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह तथा डॉ. निकिता सिंह की उपस्थिति रही।

पंचगव्य स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का ऐतिहासिक शुभारंभ

दिनांक 13 मई को विश्वविद्यालय एवं गौ संवर्धन आश्रम, मोकलावास जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में देश का पहला पंचगव्य स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस पाठ्यक्रम के पोस्टर एवं पुस्तिका का विमोचन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा राजस्थान के माननीय कुलाधिपति श्रीमान् हरिभाऊ जी बागड़े के करकमलों द्वारा हुआ। चिकित्सा एवं गौसंवर्धन के क्षेत्र में देश में पहली बार प्रारंभ किए जाने वाले इस स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अंतर्गत गाय के दूध, दही गोमूत्र, गोबर और घी की स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्द्धन के साथ–साथ प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान की धरोहर आयुर्वेद में रोगों के निवारण में पंचगव्य के रूप में उपयोगिता की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो. प्रजापति ने बताया कि पंचगव्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सीटों की प्रवेश क्षमता अभी प्रति बैच 30 रखी गई है। पाठ्यक्रम की कक्षाओं का संचालन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से किया जाएगा। सर्वजन हिताय एवं गोवंश सुखाय हेतु विश्वविद्यालय के इस नवाचार के लिए माननीय राज्यपाल महोदय ने कुलपति को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। साथ ही राज्यपाल महोदय ने इस पहल की भूरी–भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पाठ्यक्रम देश में स्वदेशी चिकित्सा पद्धति को नया आयाम देगा और पंचगव्य चिकित्सा को एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करेगा। यह पाठ्यक्रम आयुर्वेद, पंचगव्य चिकित्सा, भारतीय गौवंश के संवर्द्धन, पंचगव्य उत्पाद निर्माण, विपणन तथा आत्मनिर्भर स्वास्थ्य पद्धति में रुचि रखने वालों के लिए एक सुनहरा अवसर है। इस अवसर पर पाठ्यक्रम के समन्वयक एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेस, जोधपुर के प्राचार्य वैद्य चंद्रभान शर्मा पाठ्यक्रम के सह समन्वयक एवं गौ संवर्द्धन आश्रम मोकलावास जोधपुर के सचिव श्री राकेश निहाल तथा लक्ष्य पर्यावरण एवं गौ संरक्षण संस्था के अध्यक्ष श्री नंदलाल भाटी उपस्थित रहे।

निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

दिनांक 15 मई को संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक चिकित्सकों की टीम द्वारा श्री शिवराम नत्थूजी टॉक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पूँजला, जोधपुर में कक्षा 1से 8तक के विद्यार्थीयों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना ने अपनी सेवाएँ दी। शिविर में मौसमी बीमारियाँ, लू लगना, सिर में दर्द, चक्कर आना, गले एवं नाक से पानी आना, कान में दर्द एवं भूख न लगना, पेट में कीडे, पेट में दर्द एवं उल्टी दस्त, चर्म रोग, नाक से खून बहना, रक्त की कमी जैसे बीमारियों की जानकारी एवं दवाईयां देकर लाभान्वित किया गया।

कंटिन्यूइंग कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद (सीएचआरडी) द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में निरंतर क्षमता निर्माण कार्यकम (कंटिन्यूइंग कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) का शुभारंभ दिनांक 15 मई 2025 को कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उद्घाटन सत्र में प्रो

श्रीकृष्ण शर्मा खांडल, पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, रोग एवं विकृति विज्ञान विभाग, एनआईए, जयपुर ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने **स्वास्थ्य देखभाल और उपचार में नई चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वयं को कैसे तैयार करें** विषय पर गहन व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने अपराह्न सत्र में **आयुर्वेद की वर्तमान काल में उपयोगिता एवं संभावनाएं** विषय पर भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के मध्याह्न सत्र में प्रो कमलेश शर्मा, प्रो–वाइस चांसलर, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा **कल, आज और कल !** विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो प्रजापति ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यकम विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों एवं स्नातकोत्तर अध्येताओंके बौद्धिक एवं शैक्षणिक विकास हेतु एक अत्यंत आवश्यक पहल है। उन्होंने सभी को इस एक माह चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में इंटरनेशनल योगा दिवस के उपलक्ष्य में कर्टेन रेजर प्रोग्राम एवं विश्वविद्यालय के नवीनतम न्यूज़ लेटर का विमोचन भी किया गया।

इंस्टिट्यूशनल एथिक्स कमिटी की बैठक आयोजित

दिनांक 17 मई को विश्वविद्यालय में पीएचडी शोध (रिसर्च सिनॉप्सिस) तथा विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के अनुमोदन हेतु इंस्टिट्यूशनल एथिक्स कमिटी(आईसी) की शोध परियोजनाओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो चंदन सिंह ने बताया कि इस बैठक में कुल 18 पीएचडी शोध प्रस्तावों एवं शोध परियोजनाओं को अनुमोदन पश्चात् स्वीकृति प्रदान की गई। आईईसी में चेयरमैन प्रो श्रीकृष्ण शर्मा ने विशेषज्ञ भूमिका निभाते हुए महत्त्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में प्रो. शिवकुमार हरती, एम्स जोधपुर के प्रो. पंकज भारद्वाज, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर प्रो. एलएन बुनकर, प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. नीलिमा रेड्डी, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर, एडवोकेट मोहित चौधरी, आईआरसी सदस्य मिश्रा, सचिव प्रो. दिनेशचंद शर्मा, प्रो. हरीश कुमार सिंघल, प्रो. ऋतु कपूर एवं डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा सहित अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने सभी प्रतिभागियों, विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं को सफल आयोजन एवं अनुसंधान की दिशा में उठाए गए सार्थक कदमों के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण और नवाचारयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

विश्वविद्यालय में विश्व हाइपरटेंशन दिवस का आयोजन

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में 17 मई को विश्व हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उच्च रक्तचाप के प्रति जनजागरुकता बढ़ाना तथा आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से इसके प्रभावी समाधान प्रस्तुत करना रहा। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। इस अवसर पर पीजी स्कॉलर्स डॉ. आशा एवं डॉ. जितेन्द्र ने हाइपरटेंशन विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि हाइपरटेंशन एक मूक हत्यारा है, जो बिना लक्षणों के भी गंभीर हृदय रोग, स्ट्रोक और किडनी फेल्योर का कारण बन सकता है। आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण के अंतर्गत उन्होंने ब्लड प्रेशर की नियमित जाँच, जीवनशैली में बदलाव, दवाओं का अनुशासित सेवन (जैसे एसीइ इंहीबीटर, बीटा ब्लॉकर), एवं तनाव नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। आहार –विहार में नमक का सीमित सेवन, लहसुन, आंवला, गोघृत, अश्वगंधा दूध, योग और ध्यान के नियमित अभ्यास को शामिल करने की सलाह दी गई। साथ ही तेज, तले–भुने, मद्य व मानसिक तनाव उत्पन्न करने वाले पदार्थों से परहेज की आवश्यकता बताई गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए ब्लड प्रेशर चेकअप कैम्प तथा आयुर्वेदिक औषधियों की जानकारी दी गई। विभागाध्यक्ष ने स्नातकोत्तर अध्येता के प्रयासों की सराहना की और इस तरह के जागरुकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने पर बल दिया।

विश्वविद्यालय में कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रमों के अंतर्गत विशिष्ट व्याख्यान का हुआ आयोजन

विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (सीएचआरडी) द्वारा आयोजित कंटिन्यूइंग कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (सीसीबीपी–25) के अंतर्गत दिनांक 17 मई 2025 को पीजीआईए, जोधपुर के सेमिनार हॉल में ज्ञानवर्धक सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो गोविंद सहाय शुक्ल, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर विभाग, रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, पीजीआईए, के **आत्मदीपो भव** विषय पर सारगर्भित व्याख्यान से हुआ। उन्होंने आत्मविकास, आत्मप्रेरणा और

आयुर्वेद के शिक्षकों की आत्मनिर्भर भूमिका पर विचार रखते हुए प्रतिभागियों को जीवन में आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ. अनिल कुमार द्वारा **क्लीनिकल ट्रायल्स** विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने नैदानिक परीक्षणों की वैज्ञानिकता, वर्तमान चुनौतियों और आयुर्वेद में इनकी प्रासंगिकता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीएचआरडी निदेशक डॉ राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि इन व्याख्यानों में विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी एवं योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं स्नातकोत्तर अध्येता ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों एवं शोधार्थियों की शैक्षणिक क्षमता का उन्नयन कर उन्हें नवीनतम शोध एवं चिकित्सा पद्धतियों से अवगत कराना रहा।

कुलगुरू प्रो. प्रजापति का आयुर्वेद महाविद्यालय सीकर का दौरा

दिनांक 18 मई को कुलगुरू प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति का राजकीय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एकीकृत महाविद्यालय सीकर में पधारने पर महाविद्यालय प्राचार्य डा. महेन्द्र कुमार सौरठा जी के नेतृत्व में समस्त संकाय सदस्यों द्वारा माला, साफा एवं बुके भेट कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। महाविद्यालय प्रवक्ता डा. महेश इन्द्रा ने बताया कि कुलगुरू महोदय ने महाविद्यालय के संकाय सदस्यों से आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के समुन्नयन हेतु सभी को समर्पित भाव से कार्य करने के लिए आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. सौरठा ने विश्वविद्यालय के कुलगुरू महोदय का सपत्नीक महाविद्यालय पधारने पर हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस दौरान कार्यक्रम में डॉ. पोरवाल, डॉ. नन्द किशोर चेजारा, डॉ. भंवरलाल जाटोलिया, डॉ. रणधीर कौशल, डॉ. महेन्द्र कस्वा, डॉ. रूपेन्द्र भाटी, डॉ. बलबीर, डा. शारदा, डॉ. राजेन्द्र सिंह, डॉ. सपना खत्री, डॉ. कौशल्या, डॉ. सोनू, डॉ. लक्ष्मी महला, डॉ. ममता ताखर, डॉ. मुकेश कुमावत, डॉ. सरिता सैनी, डॉ. अभिषेक, डॉ. रमेश कस्वा, डॉ. नन्द किशोर शर्मा, डॉ. किशन सिंह, डॉ. विकास देवठिया, डॉ. शंकरलाल शर्मा, डॉ. रोहित आदि उपस्थित रहे। उन्होने सपरिवार शेखावाटी के धार्मिक स्थल सालासर बालाजी धाम एवं खाटू श्याम जी दर्शन एवं पूजा अर्चना कर आयुर्वेद जगत के लिए खुशहाली की मंगल कामनाएं की।

"प्रकृति एवं आयुर्जीनोमिक्स" विषय पर अतिथि व्याख्यान

दिनांक 20 मई को पीजीआईए, के क्रियाशरीर विभाग में "प्रकृति में नवीनतम प्रगति" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र प्रसाद प्रजापति, एसोसिएट प्रोफेसर, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, जयपुर ने प्रकृति एवं आयुर्जीनोमिक्स पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस के प्राचार्य वैद्य चंद्रभान शर्मा, सहायक प्रोफेसर डॉ. पूजा पारीक एवं क्रियाशरीर विभाग के सभी स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित थे। इस व्याख्यान में डॉ. प्रजापति ने बताया कि विभिन्न प्रकृतियों में जीन किस प्रकार अभिव्यक्त होते हैं तथा एपिजेनेटिक्स के अन्तर्गत जीन अभिव्यक्ति पर पर्यावरण का क्या प्रभाव पड़ता है तथा देश के अनुसार प्रकृति एवं आनुवांशिकी अभिव्यक्ति के बीच सम्बन्ध को विस्तार से समझाया तथा आयुर्वेद एवं आधुनिक अवधारणा से प्रकृति का विस्तार से वर्णन किया।

विश्वविद्यालय में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 19 से 23 मई 2025 तक मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित निरंतर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में संघटक महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों एवं स्नातकोत्तर अध्येताओं के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य विशेषज्ञ डॉ. रंजू एंथनी रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में विस्तारपूर्वक बताया कि अनुसंधान परियोजनाएं कैसे प्राप्त करें, रिसर्च प्रपोजल (अनुसंधान प्रस्ताव) कैसे तैयार करें तथा विभिन्न शोध एजेंसियों से फंडिंग कैसे प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कंसल्टेंसी प्रपोजल कैसे बनाएं एवं शैक्षणिक संस्थानों द्वारा परामर्श

सेवाएं किस प्रकार प्रदान की जा सकती हैं, इस पर भी व्यावहारिक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि आज के समय में शिक्षकों को केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रहकर अनुसंधान, नवाचार एवं बाह्य संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रोजेक्ट प्राप्त करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों को अनुसंधान के लिए सुनियोजित योजना, उपयुक्त एजेंसी का चयन, प्रस्ताव लेखन तकनीक एवं फडिंग प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर कुलपति प्रो प्रजापति ने कहा कि शिक्षकों एवं शोधार्थियों की अकादमिक और अनुसंधान क्षमताओं को विकसित करने के लिए इस प्रकार के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करना समय की आवश्यकता हैं। ऐसे कार्यक्रमों से शोध की गुणवत्ता में सुधार होता है और विश्वविद्यालय की अकादमिक गुणवत्ता भी सुदृढ़ होती है। इस अवसर पर पीजीआईए के प्राचार्य प्रो चंदन सिंह, सीएचआरडी निदेशक डॉ राकेश शर्मा, डॉ अरुण दाधीच, डॉ मनीषा गोयल सहित आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

स्वर्णप्राशन के उपयोग एवं लाभ के बारे में जागरुकता कार्यक्रम

दिनांक 23 मई को विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर बालरोग विभाग द्वारा स्वर्णप्राशन जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय परिसर के निकटवर्ती गांवों में स्वर्णप्राशन के उपयोग एवं लाभ के बारे में सभी को जागरुक करना था। जागरुकता अभियान के लिए विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल ने गांव जाजीवाल भाटियान एवं रलावास में संबंधित प्रतिनिधियों से बातचीत कर शिशु रोग विभाग से सहायक प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार यादव एवं स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. रुशीकेष शिवतारे को कार्यक्रम के लिए निर्देशित किया। इस कार्यक्रम में दोनों गांवों के लोगों को स्वर्णप्राशन के बारे में विस्तार से बताया गया तथा स्वर्णप्राशन से संबंधित जानकारी के लिए पैम्फलेट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में बताया गया कि स्वर्णप्राशन जन्म से 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए उपयोगी है। यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है। खासकर उन बच्चों के लिए जिन्हें सर्दी–खांसी या फ्लू की समस्या अक्सर रहती है, ऐसे में स्वर्ण प्राशन बहुत कारगर है। पुष्य नक्षत्र में इसके नियमित सेवन से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। हर महीने की तरह इस बार भी 31 मई को पुष्य नक्षत्र के दिन विश्वविद्यालय परिसर सहित शहर के विभिन्न केंद्रों पर स्वर्ण प्राशन कराया गया।

स्वस्थ रहने के लिए योग हो दिनचर्या का भाग

दिनांक 23 मई को राजकीय आयुर्वेद एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला आयुर्वेद चिकित्सालय के निरीक्षण हेतु आये डॉ चन्द्रभान शर्मा ने अंतरंग आतुरालय में भर्ती रोगियों से मुलाकात के अवसर पर स्वस्थ रहने एवं रोग की अवस्था में शीघ्र लाभ हेतु योग एवं व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने की बात कही। उन्होंने उपचार करा रहे प्रोस्टेट, फैटी लीवर, अल्सरेटिव कोलाइटिस फ्रोज़न शोल्डर, सर्वाइकल स्पांडलाइटिस आदि रोगों से पीड़ितों को रोगानुसार योग–व्यायाम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उपाधीक्षक डॉ. चन्द्र प्रकाश दीक्षित ने औषधीय लेपों द्वारा उपचार करा रहे रोगियों से मुलाकात करवाकर औषधीय लेपों के महत्त्व और उपयोगिता के बारे में बताया। इस अवसर पर एसोसिएट प्रोफेसर एवं रसायनशाला निदेशक डॉ विजयपाल त्यागी द्वारा अंतरंग आतुरालय में भर्ती रोगियों को औषधियों के साथ–2 पथ्य के रूप में आवश्यक खान–पान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर योगाचार्य डॉ. चन्द्रभान शर्मा द्वारा आयुर्वेद विभाग के निर्देशन में चल रहे 30 दिवसीय काउंट डाउन योगाभ्यास कार्यक्रम की श्रृंखला में प्रातः सात से आठ बजे तक योगाभ्यास कराया। डॉ चन्द्रभान शर्मा ने बताया कि योग एवं ध्यान के माध्यम से विश्वविद्यालय ने 26 घंटे अखण्ड सूर्य–नमस्कार, वीरभद्रासन, आंजनेय आसन, भुजंगासन, शशांक भुजंगासन, हाट वाटर फुटवाथ, विश्व ध्यान दिवस जैसे 7 विश्व कीर्तिमान बनाकर गिनीज बुक में नाम दर्ज किया है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. यशपाल सिंह, उपाधीक्षक डॉ. चन्द्र प्रकाश दीक्षित, प्रधान अधीक्षक डॉ. रीना खंडेलवाल डॉ. प्रियंक शर्मा सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

औषधीय पादपों के महत्व पर विशिष्ट व्याख्यान का हुआ आयोजन

दिनांक 23 मई को मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित किये गये सतत क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 11 बजे भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो महेश दाधीच का व्याख्यान हुआ। उन्होंने राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (नई दिल्ली) की योजनाएं एवं दिशा–निर्देश विषय पर विस्तृत जानकारी दी तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में औषधीय पादपों के महत्व एवं उनके प्रचार–प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। इसी दिन 19 मई से आयोजित हो रहे फैकल्टी डेवलपमेण्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में मध्यान्ह पश्चात् आयोजित अन्य व्याख्यान में ट्रॉंस डिसिप्लिनरी फाउंडेशन, नई दिल्ली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. रंजू एंथोनी ने संकाय विकास कार्यक्रम पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को नवीनतम ज्ञान, कौशल एवं शोध विधियों से निरंतर परिचित कराना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल व्यावसायिक दक्षता बढ़ती है बल्कि शैक्षणिक माहौल भी समृद्ध होता है। सेंटर फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट के निदेशक एवं कार्यक्रम आयोजक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम पांच दिनों तक आयोजित हुआ जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों के संकाय सदस्य और स्नातकोत्तर अध्येता शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए।

विश्व थायराइड दिवस का आयोजन

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में दिनांक 25 मई 2025 को विश्व थॉयराइड दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य थॉयराइड जनित रोगों के प्रति जनजागरुकता बढ़ाना तथा आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से प्रभावी समाधान प्रस्तुत करना था। वक्ताओं ने बताया कि हाइपोथॉयरायडिज्म (थॉयरायड की कमी) एवं हाइपरथॉयरायडिज्म (थॉयरायड की अधिकता) दो प्रमुख विकार हैं, जिनके कारण थकान, वज़न में परिवर्तन, मूड में उतार–चढ़ाव, हृदय गति में परिवर्तन, अवसाद, अनिद्रा आदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण में थॉयराइड की नियमित जांच, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (जैसे लेवोथॉयराक्सिन) एवं जीवनशैली में सुधार को आवश्यक माना गया है तथा आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से थॉयराइड विकारों को अग्निमांद्य, आम दोष, धातु विकृति एवं मानसिक तनाव का परिणाम माना गया है। इसके लिए दीपन–पाचन, शोधन और रसायन चिकित्सा को कारगर बताया गया है। पंचकर्म चिकित्सा में वमन, विरेचन, नस्य, शिरोधारा और उद्वर्तन जैसी प्रक्रियाओं को लाभकारी पाया गया है। उपयोगी आयुर्वेदिक औषधियों में कांचनार गुग्गुल, त्रिफला, अश्वगंधा, गुडुची, ब्राह्मी और वरुणादि क्वाथ को थॉयराइड और मानसिक स्वास्थ्य को संतुलित करने में सहायक बताया गया है। खान–पान और जीवनशैली में खासतौर पर आयोडीन युक्त आहार (जैसे सेंधा नमक, समुद्री भोजन), संतुलित आहार, योग, प्राणायाम और ध्यान अपनाने की सलाह दी गई। साथ ही तनाव, अधिक तले हुए भोजन और रात्रि जागरण से बचने को भी जरूरी बताया गया। कार्यक्रम में थॉयराइड स्वास्थ्य के बारे में गहन जागरुकता पैदा की गई और यह संदेश दिया गया कि नियमित जांच, संतुलित जीवनशैली और आयुर्वेदिक एकीकृत चिकित्सा के जरिए थॉयराइड रोगों का सफल प्रबंधन संभव है।

एचपीटीएलसी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

विश्वविद्यालय में पीजीआईए में 26 मई 2025 को दो विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। सबसे पहले विश्वविद्यालय के रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा एचपीटीएलसी मशीन पर तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जो 26 से 28 मई 2025 तक आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम पीजीआईए के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एन्क्रोम एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड मुंबई की वेदिका पाटिल ने अपने विशेष व्याख्यान में एचपीटीएलसी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इस अवसर पर पीजीआईए के प्राचार्य प्रो चंदन सिंह और पूर्व कुलसचिव प्रो गोविंद सहाय शुक्ला ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए अपने विचार रखे। वहीं, मानव संसाधन विकास केंद्र की ओर से सतत क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीसीबीपी)–2025 के तहत विशेष व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। इस सत्र में सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय के साइबर सुरक्षा केंद्र के उप निदेशक श्री अर्जुन चौधरी द्वारा **वर्तमान युग में साइबर सुरक्षा विषय**

पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने डिजिटल युग में साइबर खतरों, डेटा सुरक्षा और व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मनीषा गोयल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इन दोनों कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य और स्नातकोत्तर अध्येता मौजूद रहे।

सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत गोद गांव सालवा कलां में जन जागरुकता शिविर आयोजित

दिनांक 27 मई 2025 को विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व (यूएसआर) योजना के अंतर्गत गोद लिए गए गांव सालवा कलां में एक दिवसीय निःशुल्क व्याख्यान एवं जन जागरुकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में आयुर्वेद एवं जैविक खेती से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीणों को बहुत उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। द्रव्यगुण विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नरेंद्र पुरोहित ने हर्बल खेती की संभावनाओं एवं हर्बल गार्डन की स्थापना पर व्याख्यान दिया, ताकि स्थानीय किसानों में औषधीय पौधों के महत्व एवं उपयोगिता की समझ विकसित हो सके। सहायक आचार्य डॉ. संकल्प शर्मा ने पारंपरिक आयुर्वेदिक कृषि तकनीकों जैसे बीज संस्कार, जैविक खाद का उपयोग एवं मृदा परीक्षण के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की सहायक आचार्य डॉ. दिव्या शर्मा ने स्थायी ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली एवं महिला स्वास्थ्य संरक्षण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण एवं जन कल्याण संस्थान मोकलवास के सचिव श्री राकेश निहाल ने पंचगव्य चिकित्सा पद्धति एवं इसके स्वास्थ्य लाभ पर विस्तृत व्याख्यान दिया। योग प्रशिक्षक श्री श्यामलाल विश्नोई ने ग्रामीणों को योग आसनों का अभ्यास करवाया। इस शिविर में गांव सालवा कलां एवं आसपास के 100 से अधिक किसानों एवं ग्रामीणों ने लाभ उठाया।

विश्वविद्यालय में प्राथमिक ट्रॉमा केयर पर कार्यशाला का सफल आयोजन

विश्वविद्यालय, में दिनांक 27 मई तथा 30 मई को निरंतर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 30 मई को वडोदरा, गुजरात से पधारी स्वयंसेवी संस्था लाइफलाइन फाउंडेशन द्वारा प्राथमिक ट्रॉमा केयर विषय पर आयुष चिकित्सकों हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. मयंक गणेशम, डॉ. राखी बंसल (व्यास मेडिकल कॉलेज, जोधपुर), डॉ. अक्षता एवं सुश्री शिक्षा (लाइफलाइन फाउंडेशन) का पुष्पगुच्छ भेंट कर हुआ। डॉ. मयंक गणेशम ने प्राथमिक ट्रॉमा केयर के अंतर्गत अपनाई जाने वाली विधियों जैसे गर्दन की हड्डी को स्थिर करना, लॉग रोल तकनीक आदि को चित्रों एवं प्रस्तुति के माध्यम से सरल भाषा में समझाया। डॉ. राखी बंसल ने अम्बु बैग का वयस्क एवं शिशुओं में उपयोग व एंडोट्रैकियल ट्यूब का उपयोग एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी। डॉ. अक्षता ने सीपीआर देने की तकनीक को विस्तारपूर्वक समझाया। सुश्री शिक्षा ने पंजीकरण कार्य को सम्पन्न किया। लाइफलाइन फाउंडेशन की स्थापना डॉ. सुब्रतो दास ने एक सड़क दुर्घटना से प्रेरित होकर की थी। यह संस्था अब तक लगभग पंद्रह हजार लोगों को सड़क दुर्घटनाओं में प्राथमिक चिकित्सा व अस्पताल पहुँचाने में सहायता कर चुकी है। यह संस्था अंतरराष्ट्रीय हृदय प्रशिक्षण संस्थान, अमेरिका से संबद्ध है एवं वर्तमान में लगभग पाँच हजार किलोमीटर के सड़क क्षेत्र को कवर कर रही है। इस संस्था के उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए ही भारत सरकार द्वारा एक सौ आठ एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत की गई थी। डॉ. सुब्रतो दास को उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए भारत के राष्ट्रपति डॉ. प्रणव मुखर्जी द्वारा पद्मश्री सम्मान भी प्रदान किया गया है। कार्यक्रम का संचालन होम्योपैथी महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर की डॉ. मनाली त्यागी द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों को समझाए आत्मविकास व प्रेरणा के व्यावहारिक सूत्र

विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (सीएचआरडी) द्वारा आयोजित कंटिन्यूइंग कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम (सीसीबीपी–25) के अंतर्गत दिनांक28मई 2025 को **Motivation: Ignite the Fire Within** विषय पर पर

सेवानिवृत ब्रिगेडियर जीवन सिंह राजपुरोहित द्वारा दिया गया। ब्रिगेडियर राजपुरोहित ने महाभारत, चाणक्य तथा अन्य पौराणिक चरित्रों का उदाहरण देते हुए यह बताया कि व्यक्ति किस प्रकार स्वयं को कठिन परिस्थितियों में भी प्रेरित रख सकता है। उन्होंने कारगिल युद्ध के अपने अनुभवों को साझा करते हुए आत्मविकास और प्रेरणा के व्यावहारिक सूत्र विद्यार्थियों को सरल भाषा में समझाए। श्री जीवन सिंह राजपुरोहित भारतीय सेना में विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए ब्रिगेडियर पद से सेवानिवृत्त हुए हैं एवं वर्तमान में एक प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में लोगों का जागरुक करने का कार्य करते हैं। उनके द्वारा मोटिवेशन पर आधारित कई पुस्तकें भी लिखी जा चुकी हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों एवं सभी स्नातकोत्तर छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम संचालन सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश शर्मा द्वारा किया गया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर स्किन एवं कैंसर यूनिट का उद्घाटन

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर दिनांक 31 मई 2025 को संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय, जोधपुर में स्नातकोत्तर अगदतंत्र विभाग के अंतर्गत स्किन एवं कैंसर यूनिट का उद्घाटन माननीय कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने फीता काटकर किया। ओपीडी के उद्घाटन पर कुलगुरु ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह स्किन एवं कैंसर ओपीडी यूनिट आयुर्वेद के गहन चिकित्सीय सिद्धांतों के आधार पर त्वचा एवं गंभीर रोगों के समग्र उपचार हेतु समर्पित रहेगी एवं अनुसंधान, निदान और उपचार का एक उत्कृष्ट केंद्र बनेगी। विभागाध्यक्ष प्रो. रितु कपूर ने बताया की इस ओपीडी में त्वचा विकारों, प्री–कैंसरस अवस्थाओं एवं कैंसर रोगों के निदान, परामर्श एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा दी जाएगी। रोगियों के लिए यह यूनिट अनुसंधान एवं उपचार दोनों का केंद्र बनेगी।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर डॉ. नरेश नेभिनानी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मनोरोग विभाग, एम्स जोधपुर द्वारा तम्बाकू की लतः दुष्परिणाम एवं प्रबंधन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. नेभिनानी ने तम्बाकू सेवन के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए उसके वैज्ञानिक प्रबंधन की दिशा में उपयोगी जानकारी साझा की।

यह आयोजन सीएचआरडी, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, इकाई एवं स्नातकोत्तर अगदतंत्र विभाग के सहयोग से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविन्द गुप्ता, उपकुलसचिव डॉ मनोज कुमार अदलक्खा, डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ अनिता संकाय सदस्य एवम् पीजी अध्येता उपस्थित रहे।

हरित योग अभियान के अंतर्गत आयुर्वेद विश्वविद्यालय में औषधीय पौधों का किया गया रोपण

विश्वविद्यालय में हरित योग अभियान के तहत दिनांक 31 मई 2025 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के सानिध्य में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन– जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेस परिसर में कुलगुरु प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति की उपस्थिति में 101 नीम सहित विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ औषधीय पौधों के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समन्वयक डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम **एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य** के अनुरूप योग के माध्यम से जहां मानव स्वास्थ्य की रक्षा होती है, वहीं वृक्षारोपण के माध्यम से पृथ्वी के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है। इस अवसर पर प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, डॉ. विजयपाल त्यागी, डॉ. दिनेश चंद्र राय, डॉ. नरेंद्र राजपुरोहित, डॉ. राजेंद्र प्रसाद पूर्विया, डॉ. गौरव नागर, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. राजेश कुमावत, डॉ. विक्रांत त्रिपाठी, डॉ. मार्कण्डेय बहरठ, डॉ. अजीत सिंह चारण और डॉ. मोनू परिहार सहित अनेक फैकल्टी सदस्य और बीएनवाईएस के छात्र–छात्राएं हिमाशी, बलदेव, परदीप, डिंपल आदि उपस्थित रहे।

संस्कृत संभाषण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के तत्वावधान में संचालित निरंतर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत संभाषण प्रमाण पत्र प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन दिनांक 2 से 6 जून 2025 तक किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 2 जून 2025 को विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह एवं प्रो. देवेंद्र चाहर द्वारा किया गया। दोनों ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सवाई सिंह का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि सवाई सिंह ने संस्कृत भाषा पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया और दैनिक जीवन में संस्कृत भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, विज्ञान एवं संस्कृति की मूल धारा है, जिसे जीवनशैली में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर पीजीआईए के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षकगण एवं विश्वविद्यालय के सभी स्नातकोत्तर विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा उन्होंने इस प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 6 जून 2025 को समापन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संस्कृत भारती के कमल शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा न केवल हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी है, बल्कि यह भारत को अखण्ड और समृद्ध बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा को सरल और संवाद की भाषा के रूप में अपनाने की आवश्यकता है ताकि यह जन–जन तक पहुंच सके। अध्यक्षीय वक्तव्य में तुलसीदास शर्मा ने संस्कृत के माध्यम से जीवन के मूल लक्ष्यों अभ्युदय और निश्रेयस की प्राप्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्कृत को केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारतीय ज्ञान, विज्ञान और आयुर्वेद की मूलधारा बताया। प्रान्त सम्पर्क प्रमुख सवाई सिंह राजपुरोहित, प्रान्त विद्यालय प्रमुख मूलाराम विश्नोई, जोधपुर महानगर मंत्री सुधीरनाथ ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सहायक आचार्य डॉ रामेश्वर डूडी, डॉ. संकल्प शर्मा, डॉ. पूजा शर्मा एवं संस्कृत विशेषज्ञ सतीश ठाकुर व सभी पीजी अध्येता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में फैमिली योग सत्र का किया आयोजन

विश्वविद्यालय में 2 जून से 15 जून 2025 तक फैमिली योग सत्र का ऑनलाइन संचालन किया गया। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) नई दिल्ली के निर्देशों के अनुसार विश्वविद्यालय में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी श्रृंखला में पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने बताया की प्रातः 6.30 से 7.00 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से फैमिली योग का अभ्यास करवाया गया। जिसमें सभी संकाय सदस्यों ने परिवार सहित योगाभ्यास किया। इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य सम्पूर्ण परिवार के स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता लाना है। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज के प्राचार्य व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समन्वयक वैद्य चंद्रभान शर्मा ने बताया कि सत्र में फैमिली योगाभ्यास में चालन क्रियाओं के अतिरिक्त सूर्य नमस्कार में खड़े होकर किए जाने वाले आसनों में ऊर्ध्व ताड़ासन, वृक्षासन, पाद हस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन के अभ्यास के पश्चात कपालभांति, अनुलोम–विलोम एवं भ्रामरी में ध्यान का अभ्यास करवाया गया। इन सत्रों में विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग व नेचुरोपैथी, तथा बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद के संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राओं ने नियमित रूप से भाग लिया।

विश्वविद्यालय में सूर्योदय योगाभ्यास का आयोजन

स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा सूर्योदय योगाभ्यास का आयोजन दिनांक 3 जून से प्रारंभ किया गया। यह आयोजन आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की श्रृंखला में किया गया। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विभाग द्वारा विभिन्न योग कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें सूर्योदय योगाभ्यास शिविर प्रमुख है। यह शिविर विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन प्रातःकाल आयोजित किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को शारीरिक व मानसिक लाभ मिल सके। योगाभ्यास सत्र का संचालन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गजेंद्र कुमार दुबे द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान के माध्यम से जागरुक और ऊर्जावान रहने के तरीके सिखाए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के

अनेक अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र–छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा नियमित योगाभ्यास करने का संकल्प लिया।

कुलगुरु का आयुर्वेद की वर्तमान स्थिति एवं आवश्यकताएं विषय पर विस्तृत व प्रेरक व्याख्यान

विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने मानव संसाधन विकास केंद्र (सीएचआरडी) द्वारा सतत् क्षमता निर्माण कार्यक्रम–2025 के अंतर्गत आयोजित सत्र में दिनांक 11 जून 2025 को प्रमुख वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। कुलगुरु ने **आयुर्वेद की वर्तमान स्थिति एवं आवश्यकताएं** विषय पर विस्तृत व प्रेरक व्याख्यान दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने वर्तमान समय में आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता, अनुसंधान की अपार संभावनाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आवश्यकता तथा आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया। प्रोफेसर प्रजापति ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं है, यह जीवन जीने की एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। आज के युवा शोधार्थियों और शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वे अनुसंधान, नवाचार एवं गुणवत्ता आधारित कार्यों के माध्यम से आयुर्वेद को विश्व मंच पर सशक्त रूप से स्थापित करें। उन्होंने मानकीकरण, प्रमाण आधारित चिकित्सा, गुणवत्ता नियंत्रण एवं नवाचार की दिशा में सतत प्रयास करने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने एक महीने से चल रही इस सीरिज के आउटकम के बारे में छात्र–छात्राओं से चर्चा की । इस अवसर पर पूर्व कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, अकादमिक डीन प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, अस्पताल अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, उप प्राचार्य प्रो. ए. नीलिमा एवं अगदतंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. ऋतु कपूर उपस्थित रहे।

स्ट्रेस मैनेजमेंट पर डॉ. ठक्कर का विशेष व्याख्यान

मानव संसाधन विकास केन्द्र के अन्तर्गत आयोजित हुए कंटीन्यूअस कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आइटीआरए), जामनगर, गुजरात के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) अनुप कुमार ठक्कर, विभागाध्यक्ष, पंचकर्म, ने दिनांक 13 जून 2025 को **स्ट्रेस मैनेजमेंट** विषय पर अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में डॉ. अनुप कुमार ठक्कर ने बताया कि वर्तमान समय में तनाव (स्ट्रेस) एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। मानसिक तनाव के कारण अनेक प्रकार के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं। उन्होंने पंचकर्म एवं आयुर्वेदिक जीवनशैली के माध्यम से तनाव प्रबंधन के सरल और प्रभावी उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. ठक्कर ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तनाव रहित जीवन जीने के लिए नियमित योग, प्राणायाम, ध्यान, आहार संतुलन तथा सकारात्मक सोच को अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में तनाव प्रबंधन का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। इस प्रकार के व्याख्यानों से हमारे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को न केवल ज्ञान मिलता है, बल्कि वे अपने व्यक्तिगत जीवन में भी इसका लाभ उठा सकते हैं।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सीसीबीपी–2025 का समापन

मानव संसाधन विकास केंद्र (सीएचआरडी) द्वारा आयोजित निरंतर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समापन 14 जून 2025 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित सेमिनार हॉल, पीजीआईए, जोधपुर में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली में तकनीकी अधिकारी (परंपरागत चिकित्सा) के पद पर कार्यरत प्रो. पवन गोदतवार ने **आयुर्वेद के विशेषज्ञों के लिए वैश्विक अवसर** विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने संबोधन में आयुर्वेद के वैश्विक विस्तार, रिसर्च एवं विकास की नूतन दिशाओं, तथा डब्ल्यूएचओ के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा को प्राप्त हो रहे अंतरराष्ट्रीय समर्थन की जानकारी दी। प्रो. गोदतवार ने प्रतिभागियों को वैश्विक मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। एक अन्य व्याख्यान में प्रो. कमलेश शर्मा प्रो. वाईस चान्सलर, ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर ने ''आत्मबोध'' विषय पर एक ज्ञानवर्द्धक व्याख्यान दिया। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों एवं शोधकर्ताओं को नई दिशा देते हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में गुणवत्ता वृद्धि हेतु विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यकर्मो का आयोजन किया जाता रहना चाहिए। कुलगुरु ने एक महीने से चल रहे इस सीसीबीपी–2025 कार्यक्रम के संबंध में छात्र–छात्राओं से फीडबैक भी लिया ।

समापन सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियो को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए । इस अवसर पर प्रो. अनूप कुमार ठक्कर, विभागाध्यक्ष पंचकर्म आईटीआरए, जामनगर, गुजरात, आयुर्वेद अधिष्ठाता प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, अस्पताल अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, उपकुलसचिव डॉ. मनोज कुमार अदलखा, फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, आयुर्वेद होम्योपैथिक संकायों के शिक्षकगण, पीजी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में औषधीय पौधों का किया रोपण

विश्वविद्यालय में हरित योग अभियान के तहत दिनांक 14 जून 2025 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन– जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेस परिसर में कुलगुरू प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति, की गरिमामय उपस्थिति में 51 नीम सहित विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. कमलेश कुमार शर्मा, प्रो. वाइस चांसलर ज्योति विद्यापीठ महिला विश्विविद्यालय, जयपुर, प्रो. पवन गोदतवार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के तकनीकी अधिकारी, प्रो. अनूप कुमार ठक्कर, विभागाध्यक्ष, पंचकर्म, आईटीआरए जामनगर, गुजरात ने पौधारोपण कर 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के अनुरूप योग के माध्यम से जहां मानव स्वास्थ्य की रक्षा होती है, वहीं वृक्षारोपण के माध्यम से पृथ्वी के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

योगा अनप्लग्ड कार्यक्रम का आयोजन एवं सीसीआरवाईएन नई दिल्ली व विश्वविद्यालय में एमओयू

विश्वविद्यालय में सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योगा एंड नैचुरोपैथी (सीसीआरवाईएन) नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में योगा अनप्लग्ड कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह दिनांक 17 जून 2025 को संपन्न हुआ। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगा फॉर वन अर्थ–वन हेल्थ (योग फॉर एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य) थीम पर आधारित पांच दिवसीय योग कार्यक्रमों की श्रृंखला का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवन प्रणाली है, जो पृथ्वी व स्वास्थ्य के संतुलन को कायम रखने का सार्वकालिक समाधान प्रस्तुत करता है। मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़ ने योग की भारतीय परंपरा और वैज्ञानिक प्रामाणिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व योग दिवस भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का एक सफल प्रयास है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी योग को जीवनशैली में अपनाए। विशिष्ट अतिथि सीसीआरवाईएन के अतिरिक्त निदेशक सुरेश संधू ने सीसीआरवाईएन एवं विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू को एक ऐतिहासिक पहल बताया और कहा कि यह सहयोग न केवल अनुसंधान को बढ़ावा देगा बल्कि योग और प्राकृतिक चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। उद्घाटन समारोह में एसएलबीएस निदेशक प्रियंका गोदारा, कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, डीन एकेडमिक प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने मंच साझा किया।

इस अवसर पर लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण संस्था द्वारा आरंभ किए गए नवीन पंचगव्य कोर्स की बुकलेट का विमोचन किया गया। साथ ही आरोग्यम् वेलनेस सेन्टर के निदेशक डॉ. अरुण त्यागी को पंचकर्म टेक्नीशियन कोर्स की स्वीकृति का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अंत में प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. हेमंत राजपुरोहित ने किया।

विश्वविद्यालय में बीजारोपण महाअभियान का शुभारंभ

कुलगुरू प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 19 जून 2025 को बीजारोपण महाअभियान मे अधिकाधिक सहभाग करने का सभी शिक्षकों और छात्रों से आह्वान किया। 22 जून से 06 जुलाई 2025 तक आर्द्रा नक्षत्र में बीज लगाने का विशेष अवसर है। आर्द्रा नक्षत्र में नमी बढ़ने के कारण बीज ज्यादा फलीभूत होता है। विश्वविद्यालय परिसर मे ऐसा वनौषधि हब विकसित किया जायेगा जिसमें विभिन्न प्रकार के पौधों से

विभिन्न प्रकार के जीवों को पोषण मिलेगा जिससे जैव सन्तुलन भी बनेगा। इस अवसर पर प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस योग नेचुरोपैथी एवं ज्योतिष डॉ गजेन्द्र कुमार, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस रिसर्च डॉ अनिल कुमार, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा, फार्मेसी निदेशक डॉ विजयपाल त्यागी, लाइब्रेरी निदेशक डॉ राकेश कुमार शर्मा, क्रिया शारीर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, बाल रोग विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल सहित आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। नव वैदिक ग्राम बीकानेर के बीज अभियान संयोजक निर्मल कुमार बरडिया ने बीजारोपण की महत्ता व क्रियाविधि की जानकारी दी। बेर, फोग, सेवण, शंखपुष्पी, अतिबला अपामार्ग, साटा (पुनर्नवा), बारहमासी, गुन्दा, रोहिडा, अमलतास, सहजन, जाल, खेजड़ी सहित 200 प्रकार के पादपों के बीज का भाव दान हुआ। भाव जुड़ने से बीज अधिक प्राण ऊर्जावान होकर फलीभूत होता है। लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्था के सचिव राकेश निहाल ने बताया कि जोधपुर क्षेत्र में 25 लाख बीज सड़क किनारे व गोचर ओरण बीहड़ आदि मे लगाये जायेंगे। पर्यावरणविद् मोहन लाल सुथार ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया।

"योग अनप्लग्ड" कार्यक्रम का समापन

विश्वविद्यालय में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2025 के अवसर पर 17 जून से 20 जून 2025 तक आयोजित "योग अनप्लग्ड" कार्यक्रम का समापन समारोह बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह विशेष कार्यक्रम केन्द्रीय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग अनुसंधान संस्थान (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की। उनके मार्गदर्शन में सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चारों सम्बद्ध महाविद्यालयों आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपैथी एवं बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद तथा सम्बद्ध एसएलबीएस योग प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय के 200 से अधिक छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें योग फ्यूजन डांस, ई–पोस्टर प्रस्तुति, निबंध लेखन, वाद–विवाद, सांस्कृतिक योग प्रस्तुतियां आदि प्रमुख रहीं। कुल 11 प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी विजेताओं को कुलपति ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ. गजेंद्र कुमार व प्रो. अनिल कुमार मौजूद रहे। समारोह में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अखिलेश कुमार पिपल, पीजीआईए प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, आयुर्वेद संकाय डीन प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा सहित आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के शिक्षक व पदाधिकारी शामिल हुए।

राव जोधा डेजर्ट रॉक पार्क में ट्रैकिंग के साथ हरित योगाभ्यास

विश्वविद्यालय द्वारा 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राव जोधा डेजर्ट रॉक पार्क में ट्रैकिंग एवं हरित योग अभ्यास किया गया। सुबह राव जोधा डेजर्ट रॉक पार्क में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा ट्रैकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पहाड़ी पगडंडियों पर ट्रैकिंग करते हुए प्रतिभागियों ने स्वच्छता अभियान में भी भाग लिया, ताकि प्राकृतिक स्थलों की सुंदरता बनाए रखी जा सके। ट्रैकिंग उपरांत आयुष मंत्रालय के सामान्य योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत सामूहिक योगाभ्यास संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, अस्पताल अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, एनएसएस प्रभारी डॉ. श्योराम शर्मा सहित अनेक संकाय सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

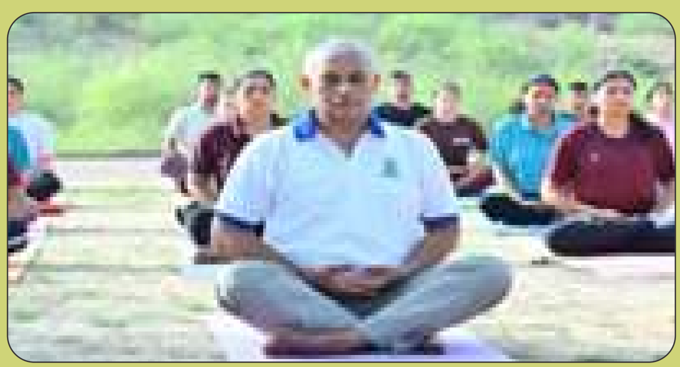

विश्वविद्यालय में बारिश के बीच किया योग

विश्वविद्यालय द्वारा 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ की वैश्विक थीम पर

आधारित विभिन्न स्थानों पर भव्य एवं प्रेरणादायक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के नेतृत्व एवं निर्देशन में इन आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। प्रातः 7.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एन.आई.एन.), पुणे के संयुक्त तत्वावधान में योग संगम कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें 600 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। योग सत्र का संचालन डॉ. चंद्रभान शर्मा द्वारा किया गया।

कुलगुरु ने एमओयू पार्टनर एनआईएन पुणे का आभार व्यक्त करते हुए नित्य योगाभ्यास के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन का संदेश दिया। भारतीय सेना की कोणार्क कोर के साथ विश्वविद्यालय द्वारा सामूहिक योग अभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें कुलगुरु महोदय सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी व संकाय सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल प्रिंस दुग्गल समेत कुल 1720 सैनिकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग अभ्यास का संचालन डॉ. सौरभ अग्रवाल व डॉ. हेमन्त राजपुरोहित ने किया।

इंडिगो पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चोपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर में आयोजित योग सत्र में डॉ. ऋषिकेश आचार्य ने योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। राष्ट्रीय फैशन एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT), जोधपुर में निदेशक की उपस्थिति में 100 से अधिक संकाय सदस्यों ने योगाभ्यास किया। डॉ. मार्कण्डेय बारहठ के मार्गदर्शन में छात्रा अंजली चोरड़िया व मानसी गिरी ने सहयोग किया।

कार्यक्रम में 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं योग के प्रति जागरुकता हेतु डिजिटल सहभागिता भी सुनिश्चित की गई। विश्वविद्यालय सहित जोधपुर शहर के 10 स्थान पर योग संगम कार्यक्रम के तहत योग प्रोटोकॉल का योग विशेषज्ञों द्वारा अभ्यास करवाया गया। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय योग दिवस समारोह जैसलमेर में विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ गजेंद्र कुमार दुबे एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ पूजा शर्मा स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग के दो शिक्षकों के नेतृत्व में आयुर्वेद होम्योपैथी एवं योग नेचुरोपैथी के कुल 23 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

वर्ल्ड विटिलिगो डे पर जागरुकता शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा वर्ल्ड विटिलिगो डे पर 25 जून 2025 को जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें होम्योपैथी के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना द्वारा मण्डोर गार्डन, जोधपुर में लगभग 165 लोगों को लाभान्वित किया गया, इस अवसर पर 23 जिलों से आए हुए छात्र–छात्राओं को विटिलिगो के प्रति जागरुक किया गया।

डॉ. अंकिता आचार्य, एवं डॉ. राकेश कुमार मीना ने बताया कि वर्ल्ड विटिलिगो डे हर साल 25 जून को मनाया जाता है, इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों में विटिलिगो यानी सफेद दाग की समस्या को लेकर लोगों में जागरुकता फैलाने और इसके पीड़ित मरीजों के साथ होने वाले सामाजिक भेदभाव को खत्म करना है। विटिलिगो एक स्क्रीन से जुड़ी बीमारी है, जिससे शरीर पर सफेद रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह एक संक्रामक रोग नहीं है, लेकिन लोग इसे गलत समझते हैं। इसलिए इस दिन के जरिए लोगों के बीच फैले मिथक और गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश की जा रही है, विटिलिगो आमतौर पर हाथों, पैरों और चेहरे से कुछ छोटे सफेद धब्बे या पैच एक से शुरू होता है, विटिलिगो त्वचा में मेलेनिन की कमी के कारण होता है, दुनिया भर में लगभग 1 प्रतिशत आबादी को विटिलिगो हैं। वर्ल्ड विटिलिगो डे 2025 की थीम हैं, हर त्वचा के लिए नवाचार। एआई की शक्ति से सफेद दाग जैसी त्वचा से जुड़ी समस्या को लेकर एक नई सोच और तकनीकी विकास की ओर हमारा ध्यान केंद्रित होता है। विटिलिगो की समस्या को ठीक करने के लिए अपनी डाइट में ऐसे फूड्स को शामिल करना चाहिए जो मेलानिन से भरपूर हो, इसके लिए हमें दैनिक जीवन में गाजर, चुकंदर, मूली और फलियो को शामिल करना चाहिए।

कुलगुरू ने किया यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी कॉलेज में चल रहे छात्रा–छात्रावास की बाउण्ड्री का कार्य एवं बग्गीखाना स्थित चिकित्सालय में चल रहे 2 करोड़ के रिनोवेशन एवं रिपेयर के कार्यों का निरीक्षण किया एवं प्रगति रिपोर्ट ली एवं आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त इसी दिन उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी में चल रहे महाविद्यालय और चिकित्सालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया इस अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी टॉम

के नोडल ऑफिसर डॉ. राकेश कुमार शर्मा एवं प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट विश्वविद्यालय संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय भी साथ रहे।

इसी दिन संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक में मानव संसाधन विकास केंद्र के संयोजन से दिनांक 23 जून 2025 को मोआलाजात विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सरफराज अहमद का **प्रीवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ स्किन डिजीज इन यूनानी सिस्टम ऑफ मेडिसिन** पर व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. अहमद ने यूनानी मेडिसिन में प्रयोग होने वाली असरकारक औषधियों को रेखांकित करते हुए बताया कि यूनानी मेडिसिन में चर्म रोगों का बहुत ही सफल इलाज मौजूद है। उन्होंने कहा कि चर्म रोग एक्ज़िमा, मुहांसे, स्किन एलर्जी, ल्यूकोडरमा सहित कई तरह के होते हैं। रोगों से बचाव के लिए संक्रमित द्वारा उपयोग किये गये सामग्री से दूर रहें। इम्यूनिटी स्ट्रांग बनाने के लिए ताजे फल, प्रोटीन, आयरन को आहार में शामिल करें। तंग कपडे ना पहनें. सिंथेटिक कपड़ों का भी बिलकुल प्रयोग ना करें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि त्वचा रोग सबसे आम मानवीय बीमारियों में से एक है। पिछले कुछ दशकों में त्वचा रोगों की व्यापकता बढ़ी है और ये दुनिया भर की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक महत्वपूर्ण बोझ डालते हैं। इस तरह की सेमिनार से त्वचा रोग के व्यापक प्रभाव के बारे में जागरुकता बढ़ाने में मदद मिलती है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इरशाद खान ने सेमीनार में पधारने के लिए कुलगुरु व अन्य सभी का आभार व्यक्त किया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक में चर्म रोग विटिलिगो पर वेबीनार का आयोजन

25 जून 2025 को यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी टोंक में मानव संसाधन विकास केंद्र के संयोजन एवं मोआलेजात विभाग के सहयोग से विश्व विटिलिगो दिवस के अवसर पर **अ होलिसटिक एप्रोच आफ यूनानी मेडिसिन इन द प्रीवेंशन एंड मैनेजमेंट आफ बर्स – विटिलिगो** विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। विटिलिगो एक ऐसा रोग है जिसमें त्वचा पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं विटिलिगो को त्वचा का सफेद धब्बा रोग भी कहा जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में सफेदाग, फूलभरी, श्वेतकुष्ठ के नाम से जाना जाता है। कॉलेज की उप प्राचार्य डॉ. नाजिया शमशाद ने वेबीनार में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। वेबीनार में चीफ गेस्ट कुलगुरू प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा की विश्व विटिलिगो दिवस का उद्देश्य विटिलिगो के बारे में जागरुकता बढ़ाना और इस स्थिति से पीड़ित लोगों को सहारा देना है। यह महत्वपूर्ण है कि हम विटिलिगो से पीड़ित लोगों के साथ सामान्य व्यवहार करें और उन्हें सामाजिक कलंक से मुक्त जीवन जीने में मदद करें। उन्होंने विटीलिगो पर हुई रिसर्च के बारे में बिस्तार से रोशनी डाली। वेबीनार में विशिष्ट अतिथि के तौर पर नोडल ऑफिसर डॉ राकेश कुमार शर्मा ने विटीलिगो के बारे में अहम जानकारियां साझा की। उन्होंने कहा कि जागरुकता बढ़ाना, उपचार उपलब्ध कराना और विटिलिगो से पीड़ित लोगों के साथ सामान्य व्यवहार करना महत्वपूर्ण है। वेबीनार में विटीलिगो पर व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता डॉ. निसार अहमद खान ने बताया कि यह एक ऐसी स्थिति है जो किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। लेकिन यह संक्रामक नहीं है और इसका इलाज किया जा सकता है। उन्होंने विटीलिगो के कारण, निदान एवं उपचार के बारे में अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा में त्वचा पर सफेद दाग का इलाज संभव है। यूनानी चिकित्सा में सफेद दाग के उपचार में प्रयोग होने वाली औषधियों को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि बाबची, सुददाब, जनजबील इत्यादि औषधियां सफेद दाग के इलाज में बहुत असर कारक हैं। सदियों से हकीम सफेद दाग के इलाज में इन औषधियों का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सरफराज अहमद ने किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद इरशाद खान ने विटीलिगो पर और ज्यादा रिसर्च करने पर जोर दिया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर मोहम्मद अकमल ने वेबीनार में उपस्थित सभी सभी शिक्षकों चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने किया विश्वविद्यालय का दौरा

दिनांक 26 जून 2025 को आयुर्वेद विश्वविद्यालय में एक बहुराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का आगमन हुआ। यह प्रतिनिधिमंडल कृषि वानिकी परियोजना के अंतर्गत आयुर्वेद विश्वविद्यालय के दौरे पर आया, जिसका उद्देश्य पंचकर्म चिकित्सा, औषधीय पौधों, तथा प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की पारंपरिक विशेषज्ञता को समझना एवं वैश्विक सहयोग की संभावनाओं का अन्वेषण करना रहा। यह प्रतिनिधिमंडल कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर तथा एग्रोफोरेस्ट्री प्रमोशन नेटवर्क स्विट्जरलैंड के संयुक्त तत्वावधान में चल रही कृषि वानिकी परियोजना के तहत भारत भ्रमण पर है। प्रतिनिधिमंडल तीन जुलाई तक भारत प्रवास के दौरान विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कर कृषि वानिकी, औषधीय पौधों, जैविक खेती एवं सतत विकास के सफल मॉडलों का अध्ययन कर रहा है। कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से वार्तालाप करते हुए कहा कि पारंपरिक आयुर्वेद चिकित्सा और कृषि वानिकी का समन्वय वैश्विक स्वास्थ्य और सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने आयुर्वेद विश्वविद्यालय के हर्बल गार्डन, पंचकर्म अनुभाग, तथा औषधीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया तथा कुलगुरु महोदय से औपचारिक मुलाकात कर भविष्य में संयुक्त शोध परियोजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के वैश्वीकरण पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के निदेशक शिक्षा डॉ. प्रदीप पगारिया एवं कृषि वानिकी परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ. कृष्णा सहारण द्वारा किया गया। प्रतिनिधिमंडल में रोलैंड फुटिंग, अध्यक्ष, एग्रोफोरेस्ट्री प्रमोशन नेटवर्क, स्विट्जरलैंड सहित लकी मुकासा, सलाहकार, एपीएन, युगांडा सहित 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, सह आचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, सहायक आचार्य डॉ. निकिता सिंह उपस्थित रहे।

वृद्धजनों की होम्योपैथिक चिकित्सा जांच

संजीवनी होम्योपैथी चिकित्सालय द्वारा दिनांक 26 जून 2025 को अनुबंध–वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उप चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. मनाली त्यागी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रदीप कुमार झा एवं होम्योपैथिक नर्सिंग कर्मचारी पूजा ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 27 वृद्धजनों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया।

मोकलावास में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्थान, मोकलावास के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम मोकलावास में दिनांक 27 जून 2025 को निःशुल्क आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। योग नेचुरोपैथी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस शिविर में कमर दर्द, घुटने का दर्द, उच्च रक्तचाप, श्वास रोग आदि समस्याओं से ग्रस्त लगभग 125 रोगियों का उपचार किया गया। साथ ही ज्योतिष चिकित्सा के माध्यम से भी रोगियों को लाभान्वित किया गया। शिविर आयोजन में सहयोग देने हेतु लक्ष्य पर्यावरण एवं जनकल्याण संस्थान के सचिव श्री राकेश निहाल का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के जनजागरुकता शिविरों के माध्यम से आमजन को न केवल विभिन्न रोगों की जानकारी मिलती है, बल्कि एक्यूप्रेशर, स्वर्णप्राशन, ज्योतिष चिकित्सा, इंफ्रारेड थेरेपी, एवं अभ्यंग चिकित्सा आदि के द्वारा रोगों का प्रभावी उपचार भी किया जाता है। शिविर के विशेष अतिथि डॉ. गजेंद्र कुमार ने रोगियों को प्राकृतिक चिकित्सा के साथ–साथ ज्योतिष आधारित परामर्श प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. करण सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर कायचिकित्सा विभाग, डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. अजीत सिंह चारण ने सेवाएं दी।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की जानकारी हेतु मीटिंग का आयोजन

राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता की निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के सेमिनार हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन दिनांक 28 जून 2025 को किया गया।

यह बैठक कुलगुरु प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में आयोजित की गई, जिसमें संकाय सदस्य, चिकित्सकगण, आवासीय चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। बैठक में चिकित्सालय अधीक्षक प्रोफेसर गोविंद गुप्ता ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से आयुर्वेद को जन–जन तक पहुँचाने का एक प्रभावशाली माध्यम उपलब्ध हुआ है।

कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल व डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने इंग्लैण्ड में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में की सहभागिता एवं एसोसिएशन आयुर्वेद एकेडमी यूके व विश्वविद्यालय में एमओयू

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक एवं स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग में कार्यरत डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने 2 से 3 जून तक इंग्लैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सेमिनार में भाग लेकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। यह सेमिनार एसोसिएशन आयुर्वेद एकेडमी यूके की ओर से आयोजित किया गया था। डॉ. शर्मा ने इस सेमिनार में स्ट्रेस मैनेजमेण्ट विषय पर अपना व्याख्यान भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा एसोसिएशन आयुर्वेद एकेडमी यूके के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) भी संपादित किया गया। जिसका उद्देश्य इंग्लैंड में आयुर्वेद को बढ़ावा देना एवं विभिन्न पाठ्यक्रमों के संचालन में सहयोग करना है। यह एमओयू यूके के तीन बार सांसद रहे माननीय वीरेंद्र शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। एमओयू पर एसोसिएशन की ओर से डॉ. वेंकट जोशी और डॉ. सुरेश स्वर्णपुरी तथा विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल एवं यूरोप में आयुर्वेद प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए गठित कार्यदल के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलगुरू

उप संरक्षक
श्री अखिलेश कुमार पिपल (RAS)
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह–सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. भानुप्रिया चौधरी
एसोसियेट प्रोफेसर, काय चिकित्सा

डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेंट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://rauonline.in

स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23–ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ

प्रिण्टेड बुक

सेवा में

....

....

....

....